

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
27.11.2024 के
तारांकित प्रश्न सं. 39 का उत्तर

पहली स्वदेशी हाईस्पीड ट्रेन

*39. श्री सुधीर गुप्ता:
श्री अनन्त नायक:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में अपनी पहली स्वदेशी हाई स्पीड ट्रेन का उत्पादन शुरू कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त ट्रेन की मुख्य विशेषताओं सहित इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ग) उक्त ट्रेनों में यात्रियों को प्रदान की जाने वाली संभावित सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;
- (घ) उक्त ट्रेनों के निर्माण और संचालन पर होने वाले संभावित व्यय की कुल राशि कितनी है;
- (ङ) उक्त हाई स्पीड ट्रेन देश में कब तक आरम्भ हो जाएगी;
- (च) इस ट्रेन के माध्यम से रेलवे को कितना राजस्व प्राप्त होने की संभावना है; और
- (छ) उन शहरों, विशेष रूप से ओडिशा राज्य के शहरों के नाम का ब्यौरा क्या है जिनके प्रारंभ में इन ट्रेनों से जुड़ने की सम्भावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

पहली स्वदेशी हाईस्पीड ट्रेन के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में श्री सुधीर गुप्ता और श्री अनन्त नायक के तारांकित प्रश्न सं. 39 के भाग (क) से (छ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (छ) वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है।

इस परियोजना की लंबाई 508 किलोमीटर है और इसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। अब तक, 336 किलोमीटर पियर फाउंडेशन, 331 किलोमीटर पियर निर्माण, 260 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 225 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। समुद्र के अंदर सुरंग (लगभग 21 किलोमीटर) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

भारतीय रेल ने "मेक इन इंडिया" पहल के अंतर्गत 180 किलोमीटर प्रति घंटे की डिज़ाइन स्पीड पर भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन का सफलतापूर्वक डिज़ाइन और विनिर्माण किया है। इन गाड़ियों में संवर्धित यात्री सुविधा के लिए बेहतर साजसज्जा है, जिनमें कवच प्रणाली से सुसज्जित, शीघ्र गति पकड़ने वाली नई जेनरेशन की हल्के भार वाली बोगियां उपलब्ध कराई गई हैं। अब तक वंदे भारत ट्रेन सेट वाली 136 गाड़ी सेवाएं (68 मार्गों पर) सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं।

वंदे भारत रेलगाड़ियों की सफलता के बाद, "मेक इन इंडिया" पहल के अंतर्गत, भारतीय रेल ने हाई स्पीड ट्रेन सेटों के डिजाइन और विनिर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। मैसर्स बीईएमएल के सहयोग से सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) हाई स्पीड ट्रेन सेटों का डिजाइन और विनिर्माण कर रहा है जो 280 किलोमीटर प्रति घंटे डिज़ाइन स्पीड की होंगी। प्रत्येक कार की विनिर्माण लागत लगभग 28 करोड़ रुपए (कर रहित) है, जो अन्य ट्रेन सेटों की तुलना में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है।

हाई स्पीड ट्रेन सेटों का डिजाइन और विनिर्माण बेहद जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान प्रक्रिया है। इसके मुख्य तकनीकी पहलू निम्नानुसार हैं :

- एयरोडायनामिक, एयर टाइट कार बॉडी का डिजाइन और विनिर्माण।
- हाई स्पीड एप्लीकेशन हेतु प्रोपल्शन सहित इलेक्ट्रिक डिजाइन और विनिर्माण।

- ट्रेन सेट का इष्टतम भार।
- गाड़ी का तापन, वातायन, वातानुकूलन।

इस गाड़ी में कुर्सी यान में उत्कृष्ट विशेषताएं हैं जैसे एयरोडायनामिक एक्सटीरियर, सीलबंद गैंगवे, स्वचालित दरवाजे, यात्रियों की सुविधा के लिए कंपार्टमेंटों के अंदर अनुकूलतम वातावरण, सीसीटीवी, मोबाइल चार्जिंग सुविधाएं, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, अग्नि संरक्षा उपकरण आदि।

विस्तृत डिजाइन को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही परियोजना के पूरे होने का यथोचित रूप से पता लगाया जा सकता है।
